



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, खालियर

प्रकारा० ग्रम्मक

१३ निरानी — R-1752 प्र०/३

श्री व्यास का लकड़ी आम

द्वारा आज दि ६-५-१३ को
प्राप्त

वर्तक ऑफ कोट
राजस्व मण्डल मध्य. खालियर

२२३३८
६।५।१३

निरानी विराज बादेश एस०टी००३०० महोदय वशीकनगर, दिनांक
१८-४-१३, अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश मूर-राजस्व संहिता, १९५६, प्र०१०
०८।११-१२-अप्र० ।

श्रीगान् जी,

निरानी का प्राधीना पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- १- यह कि, एस०टी००३०० महोदय की बाज़ा कानून यही नहीं है ।
- २- यह कि, एस०टी००३००० महोदय ने प्रकारा० के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है ।
- ३- यह कि, विवादित बादेश धारा ४६ मूर-राजस्व संहिता के प्रान्यानी के विपरीत होने से प्रथम दब्द्या ही निरस्ती योग्य है । कानून प्रत्यावर्तन वजित होने के कारण विवादित बादेश अधिकार रहित होने से निरस्ती योग्य है ।
- ४- यह कि, एस०टी००३००० महोदय ने प्रथम अमीलीय न्यायालय का निवेदन नहीं किया ऐसी स्थिति में विवादित बाज़ा की योग्य है ।

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक-निग./1752/तीन/2013

जिला अशोकनगर

अनेकसिंह आदि विरुद्ध मनीराम आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अधिकारी कों आदि के हस्ताक्षर
17/6/19	<p>प्रकरण आज लिया गया। आवेदक द्वारा यह निगरानी अनुबिभागीय अधिकारी, जिला अशोकनगर के प्रकरण क्रमांक-8/2011-12/अपील में पारित आदेश दिनांक 18/04/2013 विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25-9-2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह निगरानी सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर जिला अशोकनगर के न्यायालय को अंतरित किया जाता है।</p> <p>2/ पक्षकार दिनांक 05/8/19 को कलेक्टर जिला अशोकनगर के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हों।</p> <p>(3)</p>	<p>17/6/19 (आर0क0 जैन) सदस्य</p>